हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

सोयाबीन
की माहवार कार्यमाला
2024

January

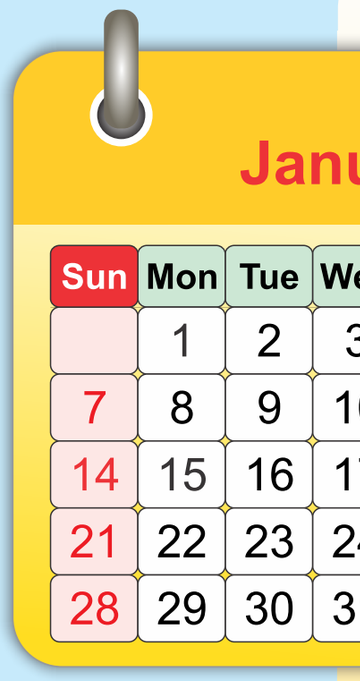

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

सुनहरी सोयाबीन : देश तिलहनी फसलों में प्रथम स्थान

- कुल तिलहन उत्पादन में 40% तथा खाद्य तेल उत्पादन में 26% योगदान
- दलहनी फसलों में सर्वाधिक प्रतिदिन उत्पादकता
- जैविक एवं अजैविक (सुखा) के लिए सहनशील
- कम लागत एवं अधिक लाभ वाली खरीफ फसल

ग्रंथि कुल फसल : उर्वरा शक्ति में वृद्धि

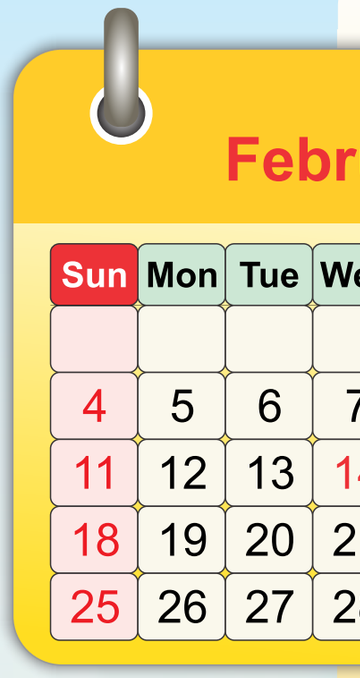

February

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

सोयाबीन के पौष्टिक गुण एवं स्वस्थ्य लाभ

- गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन का सबसे सस्ता स्त्रोत
- सोया प्रोटीन में सभी अमीनो अम्लों की उपलब्धता
- सोया बीज में टोकोफेरोल (विटामिनई) की अधिकता
- कैल्शियम एवं लोह तत्वों की अधिकता
- कई औषधीय गुण (स्तन, कोलोन, प्रोस्टेट जैसे कैंसर प्रतिरोधी),
- ह्रदय रोग, रक्तचाप, महिलाओं में मीनोपॉज में लाभकारी

सोया आधारित खाद्य पदार्थ

सोया नमकीन, उबला सोयाबीन, सब्जी के रूप में सोयाबीन सोया दूध, टोफू(सोयापनीर), सोया दही, सोया श्रीखंड, सोया छाछ

सोयाआटा एवं तत्सम पदार्थ

चपाती, सोया चकली, सोया शक्करपारे / नमकपारे, सोया मठरी, सोया बिस्कुट, सोया पापड़ आदि

सोया ओकरा एवं तत्सम पदार्थ

सोया पकौड़े, सोया हलवा, सोया उपमा, सोया बड़ी, सोया गुलाबजामुन, सोयापरांठा आदि

- **कुनीट्ज ट्रिप्सिन इनहीबिटर मुक्त :** NRC 127, NRC 142, NRC 152
- **लिपोक्सीजिनेज-2 मुक्त किस्में :** NRC 132, NRC 152, NRC 181
- **अधिक ओलिक अम्ल्युक्त :** NRC 147
- **सब्जियुक्त सोया :** NRC 188

भाकृ अनुप ICAR

भा.कृ.अनु.पं.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान

खण्डवा रोड, इन्दौर-452 001 (मध्य प्रदेश)

फोन : 0731-2476188 I फैक्स : 2470520 I वेबसाईट : www.dsrindore.org

ईमेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

सोयाबीन

की माहवार कार्यमाला

2024

March

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

April

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशक एवं प्रति हेक्टेयर मात्रा

बौवनी पूर्व उपयोगी (पीपीआई) : पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर (2.5-3.0 ली.)

बौवनी के तुरन्त बाद (पीई) : डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी. (26-30 ग्राम), सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी. (0.75 ली.), क्लोमोझोन 50 ई.सी. (1.50 - 2.00 ली.), पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस. (1.50-1.75 कि.ग्रा.), फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी. (0.25 ली.), मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी. (0.75-1.00 कि.ग्रा.), सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन (1.25 ली.), पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी. (150 ग्रा.), मेटालोक्लोर 50 ई.सी. (2.00 ली.)

खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशक

बोवनी के 10-12 दिन बाद उपयोगी

क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. + सर्फेक्टेन्ट (36 ग्राम), बेन्टाझोन 48 एस.एल. (2.0 ली)

बोवनी के 15-20 दिन बाद उपयोगी

इमेझेथापायर 10 एस.एल. (1.00 ली.), इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट(100 ग्रा.), क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी. (0.75-1.00 ली.), क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी. (375-450 मि.ली.), फेनाक्सीफाप-पी-इथाईल 9 ई.सी. (1.11 ली.), क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी. (0.75- 1.00 ली.), फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी. (1-2 ली), हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी. (1-1.25 ली.), प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी. (0.5-0.75 ली.), फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी. (125 मि.ली.), क्लेथोडियम 25 ई.सी. (0.5 -0.70 ली)

पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक

फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल + फोमेसाफेन (1.0 ली.), फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप इथाईल 10% EC (0.5 ली.), क्विजालोफाप इथाईल 7.50%EC + इमाझेथापायर 15% W/W EC (0.45 ली.), इमाझेथापायर + इमेजामॉक्स (100 ग्रा.), प्रोपाक्विजाफॉप + इमाझेथापायर (2.0 ली.), सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील (1 ली.), फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल (1.5 ली.), क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट (375 मिली + 36 ग्रा.)

तना मक्खी / सफ़ेद मक्खी / पीले मोज़ेक हेतु बीजोपचार

थायमिथोक्सम 30 एफ.एस. (10 मि.ली./कि.ग्रा.) या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ. एस. (1.25 मि.ली./कि.ग्रा.) से बीजोपचार

तना मक्खी के नियंत्रण हेतु

थायमिथोक्सम+लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली.), लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी.एस. (300 मि.ली.), क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (200 मि.ली)

सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु

बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड ओडी (350 मि.ली.), एसिटामिप्रिड 25% + बाय्फेन्थ्रिन 25 % WG (250 ग्रा.)

गर्डल बीटल : टेट्रानिलिप्रोल (250-300 मिली.), थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750 मि.ली.), इमामेक्टिन बेंजोएट (425 मि.ली.), प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1250 मि.ली.), बीटा सायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मि.ली.), थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मि.ली.), क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (200 मि.ली.), एसिटामिप्रिड 25% + बाय्फेन्थ्रिन 25 % WG (250 ग्रा.)

पत्ती खाने वाली इल्लियाँ (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली)

क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मि.ली.), इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई.सी. (333 मि.ली.), प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1000 मि.ली.), स्पायनेटोरम 11.7 एस.सी (450 मि.ली.), बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मि.ली.), फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी (150 मि.ली.), फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यू.जी. (250-300 ग्रा.), थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मि.ली.). क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (200 मि.ली.), इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 % ई.सी. (425 मि.ली.), ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी. (42-62 ग्रा.), टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी.(250-300 मिली.), एसिटामिप्रिड 25% + बाय्फेन्थ्रिन 25 % WG (250 ग्रा.)

चने की इल्ली : प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1250 मि.ली.), क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मि.ली.), इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई.सी. (333 मि.ली.), इमामेक्टिन बेंजोएट (425 मि.ली.), ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी (42-62 ग्रा.)

भा.कृ.अनु.पं.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान

खण्डवा रोड, इन्दौर-452 001 (मध्य प्रदेश)

फोन : 0731-2476188 I फैक्स : 2470520 I वेबसाईट : www.dsrindore.org

ईमेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

सोयाबीन
की माहवार कार्यमाला
2024

May

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

June

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

माह मई-जून के दौरान किये जाने वाले कृषि कार्य

- 3-4 वर्षों में एक बार गहरी जुताई करें. अन्य वर्षों में 2 बार विपरीत दिशाओं में कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें.
- अंतिम बखरनी के पूर्व पूर्णतः पकी हुई गोबर की खाद (5 से 10 टन/है.) या कम्पोस्ट (5 टन/हे) या मुर्गी की खाद 2.5 टन प्रति है. की दर से फैला दें।
- मौसम की विषम परिस्थिति तथा इससे होने वाली संभावित हानि को कम करने हेतु हमेशा 3-4 किस्मों की खेती करें।
- चयानित सोया किस्मों के बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा उसका अंकुरण परिक्षण कर गुणवत्ता जांच ले.
- बोवनी के लिए वरीयता अनुसार बी.बी.एफ/रिज फरो पद्धति का उपयोग करें.बोवनी का समय: मानसून के आगमन एवं 10 सेमी वर्षा होने पर.
- फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जीवाणु कल्चर (R) के उपयोग से FIR क्रमानुसार बीजोपचार अवश्य करें.
- मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित पोषक तत्वों 25:60:40: 20 किग्रा./हे NPKS की सम्पूर्ण मात्रा केवल बोवनीके समय डाले.
- अनुशंसित कतारों एवं पौधों की दुरी : 45सेमी. X 5-10 सेमी तथा 70% अंकुरण के अधर पर अनुशंसित बीज दर 60-70 किग्रा./हे. प्रयोग करें.

बीजोपचार हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक : एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस. (10 मिली/किग्रा बीज) या पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस. (1मिली./किग्रा. बीज) या फ्लुक्सापाय्रोक्साड 333 एफ. एस. (1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) या कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5% (3 ग्रा./किग्रा. बीज) या कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. 3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज

अनुशंसित कीटनाशक : थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. (10 मि.ली. प्रति कि.गा. बीज) या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. (1.25 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) से बीज उपचार करने

सोयाबीन की उन्नत किस्में

मध्य क्षेत्र (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र)
एन.आर.सी. 181, एन.आर.सी. 165, जे.एस. 22-16, जे.एस. 22-12, एन.आर.सी. 150, एन.आर.सी. 152, जे.एस. 21-72, आर.वी.एस.एम. 2011-35, एन. आर. सी. 138, ए.एम्.एस.100-39, आर.वी.एस.76, एन.आर.सी.-142, एम.ए.सी.एस. 1520, एन.आर.सी.-130, आर.एस.सी. 10-46, आर.एस.सी. 10-52, ए.एम्.एस.एम्.बी. 5-18 (सुवर्ण सोया), ए.एम्.एस.1001 (पीकेवी येलो गोल्ड), जे.एस. 20-116, जे.एस. 20-94, जे.एस. 20-98, एन.आर.सी. 181, आदि.

• **केवल मध्य प्रदेश राज्य के लिए** : एन. आर.सी. 131, एन.आर.सी. 157, एन.आर.सी. 136 • **केवल महाराष्ट्र राज्य के लिए** : एम. ए. यु. एस.-725, फुले दूर्वा (के.डी.एस. 992)* महाराष्ट्र • **पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल)** एवं • **उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रः असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम)** आर.एस.सी.11-35, आर.एस.सी.10-71, आर.एस.सी.10-52, एम.ए.सी.एस. 1407, एम.ए.सी.एस. 1460, एन.आर.सी. 132, एन.आर.सी. 147, एन.आर.सी. 128, एन.आर.सी. 136, एन.आर.सी. एस.एल. 1, आर.एस.सी. 11-07, आर.एस.सी. 10-46, ए.एम्.एस. 2014-1 • **राज्यों द्वारा अनुशंसित किस्में** : शालीमार सोयाबीन-2*(जम्मू एवं कश्मीर), उमियाम सोयाबीन-1* (मेघालय), बिरसा सोया 3 , बिरसा सोया 4(झारखण्ड), आर एस सी 1 1 -15 (छत्तीसगढ़) • **उत्तरीपहाड़ी क्षेत्रः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र** - वी.एल.सोया 99, हिम पालम सोया-1 (हिमाचल प्रदेश)* पी.एस. 1556, वी.एल.सोया 89, वी.एल.भट्ट 201 (उत्तराखण्ड)* • **उत्तरी मैदानी क्षेत्रः पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी-उत्तराखण्ड व पूर्वी बिहार**-पी.एस. 1670, एस.एल. 1074, एन.आर.सी. 128, एस.एल. 979, एस.एल. 955, पी.एस. 1572, (भट 202-उत्तराखंड)* • **दक्षिणी क्षेत्रः कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग**- एम.ए.सी.एस –एन.आर.सी. 1667, करुणे (के.वी.बी.एस-1), एन.आर.सी.-142, एम.ए.सी.एस. 1460, ए.एम्.एस. 2014-1 ,आर.एस.सी.11-07, एन.आर.सी.-132 , एन.आर.सी.-147 , डी.एस.बी. 34, के.डी.एस. 753 (फुले किमया), डी.एस.बी.28 (डी.एस.बी.28-3), के.डी.एस. 726 (फुले संगम), डी.एस.बी. 23 ,एम.ए.यू.एस. 612

भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
खण्डवा रोड, इन्दौर–452 001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0731-2476188 I फैक्स : 2470520 I वेबसाईट : www.dsrindore.org
ईमेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

सोयाबीन
की माहवार कार्यमाला
2024

July

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

August

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

माह जुलाई-अगस्त के दौरान किये जाने वाले कृषि कार्य

- विलंबित बोवनीकी स्थिति में शीघ्र समयावधि में पकनेवाली सोया किस्मों का चयन करें.
- **अंतर्वर्तीय फसल की खेती** : असिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ अरहर की अंतर्वर्तीय फसल उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंतर्वर्तीय फसलों की काश्त करें जिससे रबी फसल की बौवनी पर प्रभाव न पड़े।
- विपरीत मौसम (सूखे कि स्थिति, अतिवृष्टि आदि) से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ.पद्धति या रिज एवं फरो पद्धति से करें.
- अपने क्षेत्र में व्याप्त खरपतवारों के प्रकार देखकर आवश्यकतानुसारबोवनी पूर्व, बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी या सोयाबीन की खड़ी फसल में उपयोगी किसी एक अनुशंसित खरपतवारनाशक का चयन करें.
- बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का उपयोग केवल 72 घंटों के अन्दर करें.
- खरपतवार नियंत्सोरण हेतु सोयाबीन की खड़ी फसल में डोरा/कुलपा चलायें. या अनुशंसित रासायनिक खरपतवारनाशकका छिडकाव करें.
- जिन रसायनों के मिश्रण के सम्बंध में कोई वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फ़सल को नुकसान हो सकता है
- जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें.

पौध संरक्षण

- जहाँ पर फसल 15-20 दिन की हो गई हो, पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिडकाव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी.
- तना मक्खी एवं पीले मोज़ेक वायरस रोग का प्रकोप प्रारंभ होने के सम्भावना होती हैं. अतः इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) का छिड़काव करें.
- चक्र भृंग केनियंत्रण हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) याइमामेक्टीन बेन्जोएट ((425 मिली/ है) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.
- बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप होने की सूचनाये प्राप्त हुयी हैं. इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि प्रारंभिक अवस्था में ही झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियो को पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं फसल पर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 04.90 % CS (300 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.)छिडकाव करें.
- जहाँ पर एक साथ पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर / तम्बाकू / चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी / जसीड एवं ताना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) प्रकोप हो, इनके नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. याथायोमिथोक्सम 12.60% + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिडकाव करें.

भा.कृ.अनु.पं.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
खण्डवा रोड, इन्दौर-452 001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0731-2476188 I फैक्स : 2470520 I वेबसाईट : www.dsrindore.org
ईमेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

सोयाबीन
की माहवार कार्यमाला
2024

September

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

October

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

माह जुलाई-अगस्त के दौरान किये जाने वाले कृषि कार्य

- फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं। अतः उचित समय पर फसल की कटाई करे।
- पौधों में 90 प्रतिशत फलियों का रंग पीला पड़ने पर (पकी हुई फलियों के दाने में नमी 14-16 प्रतिशत) फसल की कटाई करें तथा धूप में सूखा कर गहाई हेतु तैयार करें।
- थ्रेशिंग के दौरान सोयाबीन की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु थ्रेशर को धीमी गति (350-400 आर.पी.एम.) पर ही चलाये। विशेषकर आगामी वर्ष के लिए बीज के रूप में उपयोगी फसल की गहाई इससे अधिक आर.पी.एम. पर नहीं करें।
- गहाई में विलम्ब होने की स्थिति में सलाह हैं कि बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकठ्ठा करें।
- भंडारण के दौरान फफूंदजनित रोगों के संक्रमण से बचने हेतु गहाई के पश्चात बीज को 3 से 4 दिन तक धूप में अच्छा सूखा कर बीज भण्डारण करना चाहिये।
- भण्डार गृह ठंडा, हवादार, कीट व नमी रहित होना चाहिये। यदि संभव हो, भण्डारण गृह में लकडी के प्लेटफॉर्म बनाकर सोयाबीन के बोरों को खड़ा रखें। यदि बोरियों की थप्पी लगाकर भण्डारण करना हो, यह ध्यान रखे कि 4-5 बोरियें से अधिक या 5 फिट की ऊँचाई तक ही थप्पियाँ लगाये जिससे सोयाबीन की अंकुरण प्रभावित न हो।
- भण्डारण करते समय सोयाबीन के बोरों को प्लेटफॉर्म पर सावधानिपूर्वक रखें एवं ऊंचाई से नही पटकें। भण्डार गृह की दिवार में नमी आने पर सोयाबीन बीज को फफूंद/रोगों के संक्रमन से बचाने हेतु यह भी ध्यान रखें कि बोरें दिवार से सीधे संपर्क में ना हो।

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
खण्डवा रोड, इन्दौर-452 001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0731-2476188 I फैक्स : 2470520 I वेबसाईट : www.dsrindore.org
ईमेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
भाकृ अनुप ICAR
Agrisearch with a human touch

सोयाबीन
की माहवार कार्यमाला
2024

November

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के एग्री बिजनेस इन्कुबेशन केंद्र द्वारा प्रदत्त सेवाएं

- सोया खाद्य पदार्थों एवं सह-उत्पादों के निर्माण हेतुं इन्कुबेटीज-स्टार्ट अप करने वालों तकनिकी /वित्तीय सहायता हेतु मेंटरिंग*
- सोया खाद्य पदार्थों एवं सह-उत्पादों की प्रसंस्करण तकनिकी पर 3 दिवसीय सर्टिफाइड सेंसिटायजेशन कार्यशाला का आयोजन
- ए.एम.एफ व बायो इनोकुलंट/बायो फ़र्टिलाइज़र के निर्माण हेतु 5 दिवसीय सर्टिफाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
- अन्य कौशल आधारित कार्यक्रम (सोयाबीन बीजोत्पादन)

December

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

सोया सेक्टर में स्टार्टअप / एग्री बिजनेस की सम्भावनाये

- ए.एम.एफ. बायोफ़र्टिलाइज़र
- नाइट्रोजन फिक्सिंग, जिंक / फोसफेट घोलक जीवाणु
- **सोया खाद्य पदार्थ आधारित उद्यम** : टोफू, सोया मिल्क, सोया नट्स, सोया लड्डू, सोया सेव, सोया चकली, सोया मठरी, उपमा मिक्स, हलवा मिक्स, सोया कुकीज, सोया तेल-ब्लेंडिंग, सोया मिल

सोया कृषि में उपयोगी फार्म मशीनरी / कृषि यंत्रों के निर्माण हेतु मेंटरिंग:

- बी.बी.एफ. सीड ड्रिल मशीन
- सुब-सोइलर
- फर्ब सीड ड्रिल
- रिज फ़र्टिलाइज़र ड्रिल-प्लान्टर

भाकृ अनुप ICAR

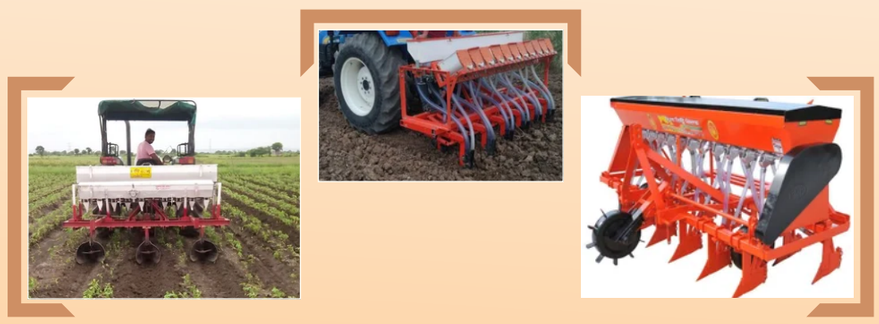

भा.कृ.अनु.पं.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
खण्डवा रोड, इन्दौर-452 001 (मध्य प्रदेश)
फोन : 0731-2476188 I फैक्स : 2470520 I वेबसाईट : www.dsrindore.org
ईमेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com